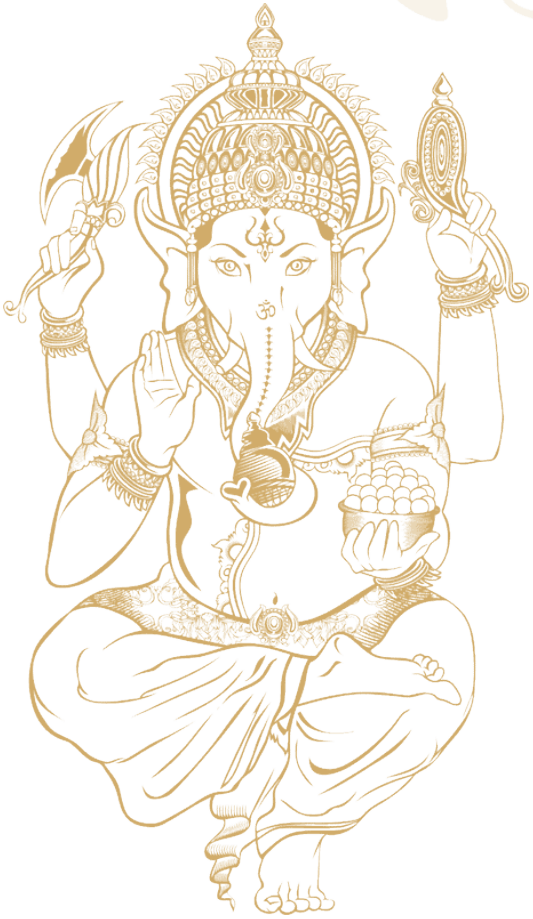

Bhupender singh thukral

08 Oct 1988

12:32 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121020912

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**7-08/10/1988**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**00:32:00 घंटे**
इष्ट	45:36:17 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:10:52 घंटे
वेलान्तर	00:12:11 घंटे
साम्पातिक काल	01:17:25 घंटे
सूर्योदय	06:17:29 घंटे
सूर्यास्त	18:00:02 घंटे
दिनमान	11:42:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:01:21 कन्या
लग्न के अंश	05:13:38 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टपकेश्वरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:13:38	307:21:11	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			कन्या	21:01:21	00:59:15	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			सिंह	17:05:47	11:46:22	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल	व		मीन	08:51:25	00:14:50	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	28:29:14	01:03:43	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु	व		वृष	12:08:12	00:02:39	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	10:02:48	01:09:38	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			धनु	03:24:11	00:03:35	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
राहु			कुंभ	20:13:28	00:00:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			सिंह	20:13:28	00:00:20	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	03:47:14	00:01:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
नेप			धनु	13:49:02	00:00:38	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	17:42:37	00:02:13	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	27:15:02	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:05

लग्न-चलित

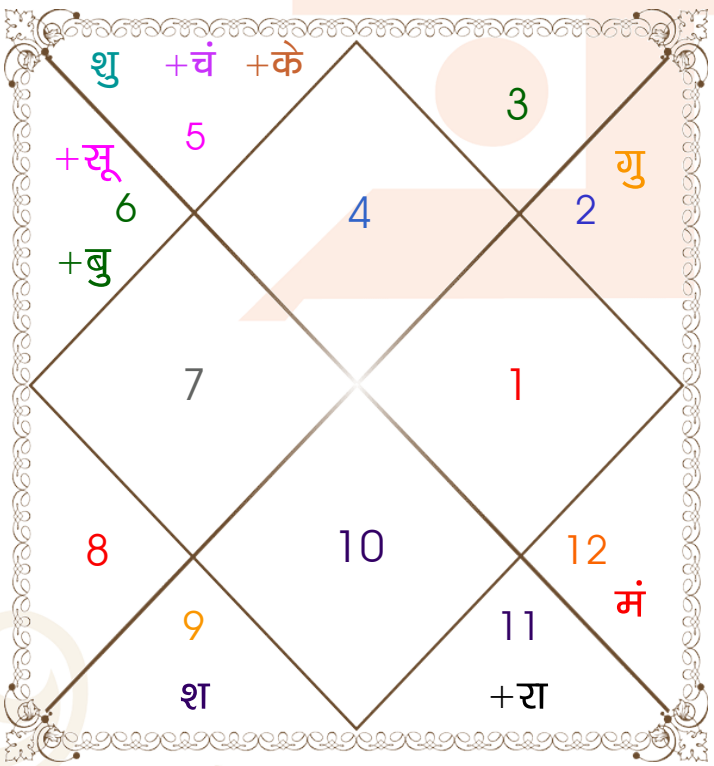

चन्द्र कुंडली

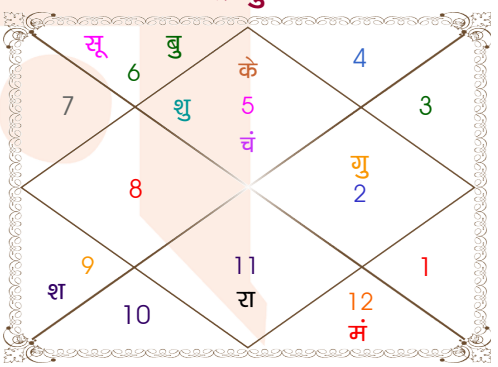

नवमांश कुंडली

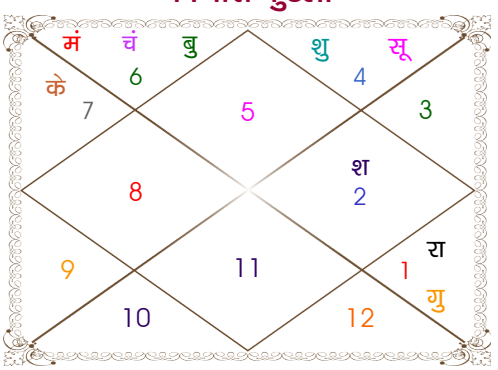

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 4 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/10/1988		15/02/2003		14/02/2009		15/02/2019		15/02/2026	
15/02/2003		14/02/2009		15/02/2019		15/02/2026		15/02/2044	
	00/00/0000	सूर्य	04/06/2003	चंद्र	16/12/2009	मंगल	14/07/2019	राहु	28/10/2028
	08/10/1988	चंद्र	04/12/2003	मंगल	17/07/2010	राहु	31/07/2020	गुरु	23/03/2031
चंद्र	14/02/1989	मंगल	10/04/2004	राहु	16/01/2012	गुरु	07/07/2021	शनि	27/01/2034
मंगल	16/04/1990	राहु	05/03/2005	गुरु	17/05/2013	शनि	16/08/2022	बुध	16/08/2036
राहु	16/04/1993	गुरु	22/12/2005	शनि	16/12/2014	बुध	13/08/2023	केतु	03/09/2037
गुरु	16/12/1995	शनि	04/12/2006	बुध	16/05/2016	केतु	10/01/2024	शुक्र	03/09/2040
शनि	15/02/1999	बुध	10/10/2007	केतु	15/12/2016	शुक्र	11/03/2025	सूर्य	29/07/2041
बुध	16/12/2001	केतु	15/02/2008	शुक्र	16/08/2018	सूर्य	16/07/2025	चंद्र	28/01/2043
केतु	15/02/2003	शुक्र	14/02/2009	सूर्य	15/02/2019	चंद्र	15/02/2026	मंगल	15/02/2044

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/02/2044		15/02/2060		15/02/2079		15/02/2096		16/02/2103	
15/02/2060		15/02/2079		15/02/2096		16/02/2103		00/00/0000	
गुरु	04/04/2046	शनि	18/02/2063	बुध	13/07/2081	केतु	13/07/2096	शुक्र	17/06/2106
शनि	16/10/2048	बुध	28/10/2065	केतु	11/07/2082	शुक्र	12/09/2097	सूर्य	18/06/2107
बुध	21/01/2051	केतु	07/12/2066	शुक्र	11/05/2085	सूर्य	18/01/2098	चंद्र	09/10/2108
केतु	28/12/2051	शुक्र	05/02/2070	सूर्य	17/03/2086	चंद्र	19/08/2098		00/00/0000
शुक्र	28/08/2054	सूर्य	18/01/2071	चंद्र	16/08/2087	मंगल	15/01/2099		00/00/0000
सूर्य	17/06/2055	चंद्र	19/08/2072	मंगल	13/08/2088	राहु	03/02/2100		00/00/0000
चंद्र	16/10/2056	मंगल	28/09/2073	राहु	02/03/2091	गुरु	10/01/2101		00/00/0000
मंगल	21/09/2057	राहु	03/08/2076	गुरु	07/06/2093	शनि	19/02/2102		00/00/0000
राहु	15/02/2060	गुरु	15/02/2079	शनि	15/02/2096	बुध	16/02/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।